Literacy for a Billion

Movie: Sarfarosh
Year: 1999

Song: Zindgi Maut Na Ban Jaye
Lyricist: Israr Ansari

जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों
खो रहा चैन ओ अमन
खो रहा चैन ओ अमन
हाँ मुश्किलों में है वतन
मुश्किलों में है वतन
सरफरोशी की शमा दिल में
जला लो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों

इक तरफ प्यार है
चाहत है वफादारी है
इक तरफ देश में देश में
इक तरफ देश में धोखा है गद्दारी है
बस्तियाँ सहमी हुई
सहमा चमन सारा है
गम में क्युँ डूबा हुआ
आज सब नज़ारा है
आग पानी की जगह
अब जो बरसाएँगे
लहलहाते हुए सब
खेत झुलस जाएँगे
जाएँगे जाएँगे
खो रहा चैन ओ अमन
खो रहा चैन ओ अमन
हाँ मुश्किलों में है वतन
मुश्किलों में है वतन
सरफरोशी की शमा दिल में
जला लो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों
हाँ खो रहा चैन ओ अमन
खो रहा चैन ओ अमन
हाँ मुश्किलों में है वतन
मुश्किलों में है वतन
सरफरोशी की शमा दिल में
जला लो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों

चंद सिक्कों के लिए तुम

Literacy for a Billion

ना करो काम बुरा
ना करो काम बुरा
ना करो काम बुरा
ना करो काम बुरा
ना करो काम बुरा
हर बुराई का होता है
सदा अंजाम बुरा
हर बुराई का होता है
सदा अंजाम बुरा
अंजाम बुरा अंजाम बुरा
अंजाम बुरा अंजाम बुरा
अंजाम बुरा
जुर्म वालों की कहाँ
उम्र बड़ी है यारों यारों
इनकी राहों में सदा
मौत खड़ी है यारों यारों
जुल्म करने से सदा
जुल्म ही हासिल होगा
जो ना सच बात कहे
वो कोई बुजदिल होगा
सरफरोशों ने लहू दे के
जिसे सींचा है
ऐसे गुलशन को उजड़ने से

बचा लो यारों

सरफरोशी की शमा दिल में
जला लो यारों
यारों यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों
खो रहा चैन ओ अमन
खो रहा चैन ओ अमन
मुश्किलों में है वतन
मुश्किलों में है वतन
सरफरोशी की शमा दिल में
जला लो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों
जिंदगी मौत ना बन जाए
सँभालो यारों

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.